5.1.1
5.1.2

5.2.2

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

सत्र 2022–23 विश्वविद्यालय परिसर में विभागवार पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र. सं.	विभाग का नाम	शास्त्री प्रथम सेमेस्टर	शास्त्री द्वितीय	शास्त्री तृतीय	आचार्य प्रथम सेमेस्टर	आचार्य तृतीय सेमेस्टर	योग
1	वेद	82	71	47	57	36	293
2	नव्यव्याकरण	85	74	66	65	59	349
3	प्राचीन व्याकरण	41	41	32	24	31	169
4	ज्योतिष	26	15	17	18	09	85
5	धर्मशास्त्र	15	33	05	11	10	74
6	साहित्य	85	66	46	64	54	315
7	पुराणेतिहास	19	20	13	08	11	71
8	प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र	03	05	03	02	02	15
9	वेदान्त	10	15	06	12	08	51
10	न्याय	06	07	09	02	—	24
11	मीमांसा	01	01	04	02	—	08
12	तु0दर्शन	12	26	05	09	07	59
13	सांख्ययोग	11	09	02	06	04	32
14	बौद्ध दर्शन	02	04	01	04	07	18
15	जैन दर्शन	03	01	—	02	02	08
16	प्राकृत जैनागम	10	05	01	04	01	21
17	पालि	02	—	01	07	14	24
18	संस्कृत विद्या	35	31	21	21	26	134
19	भाषा विज्ञान	02	01	—	03	01	07
	संस्कृत प्रमाण पत्रीय	02	—	—	—	—	02
20	बी0एड0(प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)	49	53				102
21	बि0लिब0	33					33
22	पत्रकारिता	43	39				82
23	शोध	02					02
24	शास्त्री योग	04					04
25	आचार्य योग				28		28
	योग	583	517	279	349	282	2010

5/8/23

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विभागवार छात्रों की संख्या प्रवेश सूची के अनुसार सत्र 2021–22

क्र. सं.	विभाग का नाम	शास्त्री प्रथम	शास्त्री द्वितीय	शास्त्री तृतीय	आचार्य प्रथम सेमेस्टर	आचार्य तृतीय सेमेस्टर	
1	वेद	77	57	96	38	41	309
2	नव्यव्याकरण	76	70	77	66	60	349
3	प्राचीन व्याकरण	53	33	30	38	24	178
4	ज्योतिष	22	19	11	21	15	88
5	धर्मशास्त्र	38	05	15	14	06	78
6	साहित्य	69	53	65	62	61	310
7	पुराणेतिहास	20	12	10	12	17	71
8	प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र	06	03	03	04	10	26
9	वेदान्त	30	05	11	10	13	69
10	न्याय	14	10	02	01	05	32
11	मीमांसा	02	04			01	07
12	तु0दर्शन	30	05	05	08	04	52
13	सांख्ययोग	10	04	01	08	02	25
14	बौद्ध दर्शन	04	02	03	03	09	21
15	जैन दर्शन	01	02		03	03	09
16	प्राकृत जैनागम	13	01	01	04	02	21
17	पालि	01	01	02	02	02	08
18	संस्कृत विद्या	41	21	28	27	17	134
19	संस्कृत प्रमाण पत्रीय	03	01				04
20	भाषा विज्ञान	02		01	02	01	06
21	बी0एड0	54	50				104
22	वि0लिब0	42					42
23	पत्रकारिता	49	50				99
24	शोध	02					02
	योग	659	408	361	323	293	2044

5/8/23

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विभागवार छात्रों की संख्या प्रवेश सूची के अनुसार सत्र 2020–21

क्र. सं.	विभाग का नाम	शास्त्री प्रथम	शास्त्री द्वितीय	शास्त्री तृतीय	आचार्य प्रथम सेमेस्टर	आचार्य तृतीय सेमेस्टर	
1	वेद	54	102	37	45	29	267
2	नव्यव्याकरण	73	76	78	57	44	328
3	प्राचीन व्याकरण	32	35	32	22	31	152
4	ज्योतिष	19	12	19	14	4	68
5	धर्मशास्त्र	7	18	10	8	8	51
6	साहित्य	55	66	40	63	44	268
7	पुराणेतिहास	12	9	5	14	13	53
8	प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र	4	5	5	13	5	32
9	वेदान्त	6	14	1	12	7	40
10	न्याय	9	2	1	5	—	17
11	मीमांसा	4	1	1	1	—	07
12	तु0दर्शन	4	4	1	4	2	15
13	सांख्ययोग	4	1	2	4	1	12
14	बौद्ध दर्शन	2	3	4	12	5	26
15	जैन दर्शन	1	—	2	3	3	09
16	प्राकृत जैनागम	3	1	1	2	—	07
17	पालि	1	3	2	3	2	11
18	संस्कृत विद्या	22	33	21	20	13	109
19	संस्कृत प्रमाण पत्रीय	4	—	3			07
20	भाषा विज्ञान	—	1	1	2	1	05
21	बी0एड0	50	40				90
22	बि0लिब0	36					36
23	पत्रकारिता	57	54				111
24	शोध	22					22
	योग	481	480	266	304	212	1743

5/8/23

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विभागवार छात्रों की संख्या प्रवेश सूची के अनुसार सत्र 2019–20

क्र. सं.	विभाग का नाम	शास्त्री प्रथम	शास्त्री द्वितीय	शास्त्री तृतीय	आचार्य प्रथम सेमेस्टर	आचार्य तृतीय सेमेस्टर	
1	वेद	106	39	56	35	13	249
2	नव्यव्याकरण	79	78	61	51	41	310
3	प्राचीन व्याकरण	40	33	24	32	18	147
4	ज्योतिष	12	19	10	09	11	61
5	धर्मशास्त्र	19	09	09	09	16	62
6	साहित्य	66	41	45	54	48	254
7	पुराणेतिहास	11	04	20	20	15	70
8	प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र	06	05	20	09	05	45
9	वेदान्त	14	01	08	10	09	42
10	न्याय	03	01	05	—	01	10
11	मीमांसा	01	01	—	01	02	05
12	तु0दर्शन	06	02	03	02	02	15
13	सांख्ययोग	04	02	01	03	04	14
14	बौद्ध दर्शन	05	03	17	14	24	63
15	जैन दर्शन	02	02	02	04	05	15
16	प्राकृत जैनागम	06	01	02	01	02	12
17	पालि	03	02	02	20	10	37
18	संस्कृत विद्या	33	22	32	16	12	115
19	संस्कृत प्रमाण पत्रीय	05	03	02	—	—	10
20	भाषा विज्ञान	02	01	01	01	—	05
21	बी0एड0	45	44				89
22	बि0लिब0	34					34
23	पत्रकारिता	62	57				119
24	शोध	192					192
	योग	756	370	320	291	238	1975

5/8/23

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विभागवार छात्रों की संख्या प्रवेश सूची के अनुसार सत्र 2018–19

क्र. सं.	विभाग का नाम	शास्त्री प्रथम	शास्त्री द्वितीय	शास्त्री तृतीय	आचार्य प्रथम सेमेस्टर	आचार्य तृतीय सेमेस्टर	
1	वेद	44	59	39	15	19	176
2	नव्यव्याकरण	75	62	52	51	58	298
3	प्राचीन व्याकरण	38	24	45	20	25	152
4	ज्योतिष	19	05	13	14	17	68
5	धर्मशास्त्र	11	09	12	22	13	67
6	साहित्य	45	49	42	56	37	229
7	पुराणेतिहास	09	23	32	23	18	105
8	प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र	05	20	20	12	09	66
9	वेदान्त	05	08	07	10	08	38
10	न्याय	03	05	—	01	01	10
11	मीमांसा	03	—	—	02	04	09
12	तु0दर्शन	04	04	01	06	06	21
13	सांख्ययोग	06	01	01	05	01	14
14	बौद्ध दर्शन	07	18	14	31	17	87
15	जैन दर्शन	13	02	10	13	01	39
16	प्राकृत जैनागम	09	01	07	04	01	22
17	पालि	04	02	02	11	11	30
18	संस्कृत विद्या	40	36	20	25	18	139
19	संस्कृत प्रमाण पत्रीय	03	04	01	—	—	08
20	भाषा विज्ञान	02	02	—	01	02	07
21	बी0एड0	45	43				88
22	बि0लिब0	37					37
23	पत्रकारिता	60	57				117
24	शोध	206					206
	योग	693	434	318	322	266	2033

5/8/23

सामान्यतः जो भी छात्र परंपरागत शास्त्री कक्षा में अध्ययन करने आते हैं, वह विशेषज्ञता प्राप्त करने हेतु अनुसंधानोपरांत अध्ययन करते हैं। कुछ छात्र शास्त्री कक्षा के बाद जिनकी इच्छा प्रशासनिक सेवा में जाने की होती है, वह यूपी. पी. एस. सी, यूपी. पी. सी. एस, एस. एस. सी., पेट के माध्यम से प्रशासनिक सेवाओं में एवं अधीनस्थ सेवाओं में चले जाते हैं। कुछ छात्र जिनकी धर्म में अभिरुचि होती है वह मंदिरों में धर्माचार्य का कार्य करते हैं, एवं सेना में निर्धारित धर्मगुरु के पद को भी सुशोभित करते हैं। कुछ प्रचलित सनातनीय संस्कारादि कर्मकांड एवमं यज्ञादि कार्यों में लग जाते है